और चित्तौड़गढ़ जिलों के अलावा मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में अफीम की गहन खेती होती है । गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) और नीमच (मध्य प्रदेश) में बहुत पहले स्थापित किये गये दोनों अफीम कारखानों की, भारत में उत्पादित सारी अफीम की, उसके निर्यात के प्रयोजनों के लिए, प्रक्रिया करने की पर्याप्त क्षमता है । इसलिए ऐसा कोई कारखाना अन्यत्र लगाने की कोई आवश्यकता नहीं है । परन्तु, पोस्त के चीरा लगे डोडों से एलकालायड निकालने का एक संयंत्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान के पोस्त उगाने वाले क्षेत्रों में लगाने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है ।

Development of Ladakh and New Schemes for Tourists

567. SHRIMATI PARVATI DEVI: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) the details of the existing tourist facilities for Ladakh; and

(b) whether any new schemes have been formulated to meet the demands of the tourists and develop Ladakh to attract more tourists?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK): (a) and (b). Apart from local residents converting their residences into 'Paying Guest Accommodation', no facilities on a large scale have come up for tourists at Leh, which is the main tourist destination in Ladakh.

No schemes have been taken up in the Central Sector for the development of tourism in Ladakh as it is the considered view of the Government that immediately the need is to preserve the environmental and cultural characteristics of this area, which are its main tourist attractions. To ensure this it has been suggested to the State Governments to draw up a master plan of tourism to draw up a Ladakh so that there is no despoliation of its environmental and cultural characteristics while providing tourist facilities.

It is proposed by the Government to protect the 'Gompas' which are the main tourist attractions of Ladakh.

It is also proposed by the Indian Airlines to operate an air serve to Leh as soon as suitable navigational communication and passenger handling facilities are provided at the Leh airfield.

मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए बैंक आफ बड़ौदा और स्टट बैंक आफ इंडया द्वारा तैयार की गई ग्राम विकास योजना

568. **श्री सुरेन्द्र सुमन :** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बैंक आफ बड़ौदा' एवं स्टेट बैंक आफ इंडिया' ने मध्य प्रदेश के कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में तीन वर्षों तक पाईलट स्कीम के अन्तर्गत 3 से 4 लाख रुपये वार्षिक तक ग्राम विकास का कार्यक्रम तैयार किया है ताकि ग्रामों में सड़क, नाला, बिजली, पेयजल, स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र, दुग्ध केन्द्र, पशु चिकित्सा आदि की व्यवस्था हो सके ;

(ख) क्या सरकार विभिन्न राज्यों में विभिन्न बैंकों की ऐसी योजना बनाने के बारे में दिशानिर्देश देगी ;

(ग) क्या बिहार के पिछड़े क्षेत्रों में ग्राम विकास कार्य की दिशा में विभिन्न बैंकों द्वारा ऐसी योजनाएं शुरू करने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?